॥ ओ३म्॥

कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक

आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

अनमोल वचन

अजं जीवता ब्रह्मणे देयमाहुः।

जीवित मनुष्य को अपनी आत्मा ईश्वरार्पण करनी चाहिए।

वर्ष ३२, अंक ३१ **एक प्रति : ३ रुपये**

सोमवार ३ अगस्त, २००९ से ९ अगस्त, २००९ तक

विक्रमी सम्वत् २०६६ दयानन्दाब्द : १८६

सृष्टि सम्वत् १९६०८५३१०९ वार्षिक : १५० रुपये

फैक्स : २३३४३७३७ ई-मेल : aryasabha@yahoo.com

Website : www.delhisabha.com पृष्ठ सं १ से ४ तक

दिल्ली चलो! दिल्ली चलो!! दिल्ली चलो!!!

विश्व की समस्त आर्यसमाजों एवं आर्य प्रतिनिधि सभाओं की शिरोमणि संस्था

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर

शताब्दी अधिवेशन एवं महासम्मेलन

29-30 अगस्त, 2009 (शनिवार-रविवार)

रामलीला मैदान, अजमेरी गेट, नई दिल्ली

शनिवार, दिनांक 29 अगस्त, 2009

★ कार्यकारिणी बैठक ★ अन्तरंग सभा बैठक ★ सार्वदेशिक शताब्दी साधारण अधिवेशन ★ भजन संध्या

रविवार, दिनांक 30 अगस्त, 2009

★ऋग्वेद शतक महायज्ञ एवं सार्वदेशिक सभा शताब्दी महासम्मेलन★

इस अवसर पर विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर गोष्ठियां एवं चर्चाएं भी होंगी।

हजारों की संख्या में पधारकर इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनें

-: निवेदक :-

कैप्टन देवरत्न आर्य	आनन्दकुमार आर्य	अनिल तनेजा	प्रकाश आर्य	ब्र. राजसिंह आर्य	धर्मपाल आर्य
सभाप्रधान	कार्यकारी प्रधान	कोषाध्यक्ष	सभामन्त्री	प्रधान, दिल्ली सभा	प्रधान, केन्द्रीय दिल्ली

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन – 2009 सूरीनाम – 26 से 29 सितम्बर, 2009

महासम्मेलन में जाने के इच्छुक आर्यजन कृपया ध्यान दें

चूंकि सूरीनाम जाने के लिए वीजा की आवश्यकता होती है। अतएव वीजा के लिए आमन्त्रण पत्र सूरीनाम से मंगाने होंगे। जो आर्यजन इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में सम्मिलित होने की इच्छा रखते हैं वे अपने पासपोर्ट (वैधता तिथि कम से कम 30 मई, 2010 हो) की दो प्रतियां तथा ***"मन्त्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, कैम्प कार्यालय–15 हनुमान रोड, नई दिल्ली–110001"*** के नाम एक प्रार्थना पत्र, जिसमें लिखा हो "मैं सूरीनाम सम्मेलन में भाग लेना चाहता हूं, कृपया मेरे वीजा हेतु निमन्त्रण पत्र मंगवा देवें" लिखा हो भेजें। यात्रा व्यय की पूर्ण जानकारी यात्री संख्या उपलब्ध होने पर प्राप्त हो सकेगी। फिर भी अनुमानतः सम्पूर्ण यात्रा में लगभग 75 से 80 हजार रुपये प्रति व्यक्ति व्यय होगा। सूरीनाम प्रवास के दौरान भोजन एवं आवास व्यवस्था पूर्णतः निःशुल्क होगी। विस्तृत सूचना आगामी अंकों में प्रकाशित होगी।

– प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक सभा

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की तैयारियों के लिए

आर्यसमाजों, स्त्री आर्यसमाजों के अधिकारियों की क्षेत्रीय बैठकें

महर्षि दयानन्द का 125वां निर्वाण वर्ष समापन की ओर अग्रसर है। गत वर्ष 'विज्ञान भवन' में उद्घाटन के पश्चात् सारे भारत में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए और किए जा रहे हैं। दिल्ली में इस कार्यक्रम को बहुत ही जोर–शोर से मनाया गया। दिल्ली की प्रत्येक आर्यसमाज, आर्य विद्यालय, अन्य आर्यसंस्थाओं ने इस अवसर पर कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित किया है, यह प्रसन्नता का विषय है। किन्तु अभी एक वर्षीय कार्ययोजना का कुछ भाग शेष है, जिसे पूर्ण करने के लिए हम सभी को जुटना होगा। अतएव 125वें निर्वाण वर्ष, दिल्ली की आर्यसमाजों का इतिहास लेखन, सार्वदेशिक शताब्दी समारोह, मथुरा में आयोजित स्वर्ण शताब्दी दीक्षा आर्य महासम्मेलन, दिल्ली के आर्यजनों का विशिष्ट कार्यों हेतु सम्मान योजना तथा कुछ संगठनात्मक आवश्यक विषयों पर महत्वपूर्ण विचार–विमर्श हेतु दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों एवं आर्य कार्यकर्ताओं की क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन सभा की ओर से किया गया है। समस्त आर्यसमाजों, आर्य बन्धुओं, कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों से निवेदन है कि बैठक की तिथि एवं स्थान अभी से नोट कर लें तथा जिस बैठक में जिस–जिस आर्यसमाज का नाम हो, उस बैठक में आर्यसमाज के अधिकारी निश्चित ही पधारने का कार्यक्रम बना लेवें।

तिथि	समय	बैठक का स्थान	आमन्त्रित आर्यसमाजें
रविवार 9 अगस्त, 09	प्रातः10.30 बजे	आर्यसमाज ग्रेटर कैलाश–2	आर्यसमाज सरिता विहार, मोलड़बन्द, कालकाजी, गोविन्दपुरी, ग्रेटर कैलाश–1, महरोली, छतरपुर, छतरपुर विस्तार, संगम विहार, मालवीय नगर, मदनगीर, साकेत, तुगलकाबाद, फतेहपुर, डीडीए फ्लैट्स कालकाजी। दक्षिण दिल्ली की अन्य आर्यसमाजों की बैठक की सूचना आगामी अंक में प्रकाशित की जाएगी।
रविवार 9 अगस्त, 09	सायं 4 बजे	आर्यसमाज कीर्ति नगर (पश्चिमी दिल्ली–2)	मोती नगर, सुदर्शन पार्क, न्यू मोती नगर, टैगोर गार्डन, रमेश नगर, पश्चिम पुरी, पंजाबीबाग पूर्वी–पश्चिमी–विस्तार, पश्चिम विहार, पटेल नगर, नारायणा, इन्द्रपुरी, शादीपुर, मानसरोवर गार्डन, श्रद्धापुरी, कर्मपुरा, राजौरी गार्डन तथा अन्य क्षेत्रीय समाजें।
शनिवार 15 अगस्त, 09	प्रातः 11 बजे	आर्यसमाज सैनिक विहार	उत्तरी पश्चिम दिल्ली वेद प्रचार मंडल की समस्त आर्यसमाजें।
शनिवार 15 अगस्त, 09	सायं 4 बजे	आर्यसमाज प्रीत विहार	पूर्वी दिल्ली की समस्त आर्यसमाजें।
सोमवार 17 अगस्त, 09	सायं 5 बजे	आर्यसमाज हनुमान रोड	मध्य दिल्ली क्षेत्र की आर्यसमाजें – नया बांस, सीताराम बाजार, करोल बाग, देव नगर, माडल बस्ती, किशन गंज मिल एरिया, राजेन्द्र नगर, नबी करीम, आर्य नगर पहाड़गंज, चूना मंडी पहाडगंज, दरियागंज, विक्रम नगर, मिण्टो रोड।
रविवार 23 अगस्त, 09	सायं 4 बजे	आर्यसमाज केशवपुरम्	उत्तर दिल्ली क्षेत्र की समस्त आर्यसमाजें।

पश्चिमी दिल्ली एवं दक्षिण दिल्ली में सभा की

वैदिक साहित्य प्रचार केन्द्रों की स्थापना

वैदिक साहित्य तथा प्रचार सामग्री को अधिकाधिक उपलब्ध कराने की दृष्टि से सभा ने दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थापना की है। यह केन्द्र स्थानीय आर्यसमाजों के अन्तर्गत होंगे। क्षेत्रीय आर्यजनता एवं आर्यसमाजों से अनुरोध है कि इन सुविधाओं का लाभ उठावें। यहां पर निम्न सामग्री उपलब्ध होगी – चारों वेदों का सैट, सत्यार्थ प्रकाश, महर्षि दयानन्द सरस्वती का जीवन चरित्र, कॉमिक्स, छोटी कॉमिक्स, शगुन लिफाफे, स्मृति घड़ियां, एम.डी. एच. हवन सामग्री, एवं अन्य प्रचार सामग्री। कीमतों में कोई अन्तर नहीं होगा।

पश्चिम दिल्ली केन्द्र

आर्यसमाज एल ब्लाक,
आनन्द विहार, हरिनगर, नई दिल्ली
श्री वी. के. मल्होत्रा, 9213191691,
श्री कुंवरपाल शास्त्री, 9810134431

दक्षिण दिल्ली केन्द्र

आर्यसमाज गोविन्दपुरी,
नई दिल्ली–19
श्री सुरेशचन्द्र गुप्ता, 9212082892,
श्री प्रेमचन्द गुप्ता, 9899468533

संक्षिप्त इतिहास के संकलन का प्रकाशन

विश्व की समस्त आर्यसमाजों की शिरोमणि सभा 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सार्वदेशिक सभा की ओर से सभा के संक्षिप्त इतिहास के संकलन का प्रकाशन किया जा रहा है। जिन प्रान्तीय सभाओं से सार्वदेशिक सभा का निर्माण होता है, इस प्रकाशन में उन सभाओं का संक्षिप्त इतिहास एवं सार्वदेशिक सभा के कार्यों का उल्लेख होगा। समस्त आर्यसमाजों, प्रतिनिधि सभाओं, आर्यजनों से निवेदन है कि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के विगत 100 वर्षों के इतिहास से सम्बन्धित चित्र, संस्मरण, घटनाओं आदि की जानकारी हो तो कृपया उन्हें 'मन्त्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, कैम्प कार्यालय– 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली–110001 के पते पर भेजने की कृपा करें। संकलन के लिए के लिए विज्ञापन भी आमन्त्रित हैं।

– प्रकाश आर्य, मन्त्री

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का कार्यालय समय

दोपहर 12 से रात्रि 8 बजे

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.), आर्यसमाज 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली –110001 का कार्यालय **दोपहर 12.00 से रात्रि 8.00** बजे तक प्रतिदिन खुला रहता है (रविवार एवं अवकाश के दिनों को छोड़कर)। कार्यालय आने वाले समस्त आर्यजनों से निवेदन है कि वे कार्यालय समय का ध्यान रखें।

यदि आप कार्यालय समय से पूर्व या बाद में 'प्रचार सामग्री' आदि के लिए आर्डर करना चाहते हैं तो हमारे ईमेल पते : aryasabha@yahoo.com पर ईमेल अथवा 011–23343737, 23365959 पर फैक्स करें।

– विनय आर्य, महामन्त्री मो. 9958174441

महर्षि दयानन्द सरस्वती

जीवन चरित्र, घटनाओं तथा ग्रन्थों की जानकारी के लिए लॉगऑन करें

www.swamidayanand.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

कार्य एवं गतिविधियों को जानने के लिए लॉगऑन करें

www.delhisabha.com

शताब्दी अधिवेशन महासम्मेलन में भाग लेने वाले आर्यजन कृपया ध्यान दें

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित 'सार्वदेशिक सभा शताब्दी अधिवेशन एवं महासम्मेलन' में दिल्ली से बाहर से आने वाले महानुभावों से निवेदन है कि वे **आवास व्यवस्था की समुचित व्यवस्था के लिए** अपने आने की जानकारी यथा– तिथि, कहां से, कितने महानुभाव आ रहे हैं इसकी जानकारी **श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी को मो. 9810086759** पर, **ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था के लिए** यथा – कहां से, कौन सी ट्रेन से, कितने बजे, किस प्लेटफार्म/ हवाई अड्डे से, कितने व्यक्ति पधार रहे हैं की जानकारी **श्री वीरेन्द्र आर्य मो. 9811130250** पर देने की कृपा करें। महासम्मेलन के अवसर पर जो प्रकाशक/वैदिक साहित्य विक्रेता स्टॉल लगाने के इच्छुक हों वे **स्टॉल की बुकिंग के लिए श्री संजीव आर्य मो. 9868244958** से सम्पर्क करें। यह हम सबका सौभाग्य है कि आर्यों की शिरोमणि सभा की स्थापना के 100वें वर्ष पर आयोजित शताब्दी समारोह में हमें भाग लेने का अवसर प्राप्त हो रहा है। अतः अधिकाधिक संख्या में पधारकर संगठन शक्ति का परिचय दें तथा समारोह को सफल बनाने के लिए अपना सहयोग प्रदान करें।

– प्रकाश आर्य, मन्त्री, सार्वदेशिक सभा

विनय आर्य, महामन्त्री, दिल्ली सभा

सम्पादकीय

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन सूरीनाम – 26 से 29 सितम्बर, 2009

इतिहास एवं भविष्य के आर्यसमाज की रूपरेखा का निर्धारण

समस्त आर्यजगत् को विदित ही है कि रोहिणी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2006 से जो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मलनों की श्रृंखला आरम्भ की गई थी, वह अनवरत जारी है। रोहिणी अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में भाग लेने वाले आर्यजन शायद उसे कभी भुला न पाएंगे। यही वह कारण है कि वे आर्यजन भी इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को कभी न भुला पाएंगे जो किसी कारणवश इसमें भाग नहीं ले सके। उसमें आर्यसमाज के अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप के जो दर्शन हुए वह अपने आप में अद्भुत थे। उसी का कारण था कि समारोह में उस समय उपस्थित अमेरिका, मॉरीशस, सूरीनाम और हॉलैंड के अधिकारियों ने क्रमशः 2007, 08, 09 एवं 2010 के अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनों के आयोजनों का अपने–अपने देशों में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा जिसे इस अवसर पर उपस्थित लाखों आर्यजनों से स्वीकार किया। परिणाम **स्वरूप 2007 में अमेरिका के शिकागो शहर, 2008 में मॉरीशस** के अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किए गए। हर्ष का विषय है कि अमेरिका के सम्मेलन में 1000 से अधिक आर्यजनों ने तथा मॉरीशस महासम्मेलन में लगभग 4000 आर्यजनों ने भाग लिया। इन अवसरों पर आर्यसमाजों के अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप, पर विदेश में आर्यसमाज के समक्ष आने वाली समस्याओं पर, वैदिक साहित्य को विदेशी भाषाओं में उपलब्ध कराने पर तथा विदेश की भाषाओं में आर्य विद्वानों को तैयार करने आदि पर चर्चाएं हुई साथ ही आर्यसमाज के संगठनात्मक, बौद्धिक, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, सूचनात्मक आदि समस्त विषयों को वैबसाइट्स पर लाने की जो चर्चाएं हुई इनका बहुत सुखद परिणाम सामने आया। शिकागो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में दिल्ली को यह जिम्मेदारी की गई कि वे वैबसाइट्स के निर्माण में मुख्य भूमिका अदा करें। उसी के अन्तर्गत दिल्ली सभा ने वर्तमान में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा www.delhisabha.com, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा www.aryasabha.com, सत्यार्थ प्रकाश www.satyarthprakash.com, महर्षि दयानन्द सरस्वती www.swamidayanand.com, आर्यवीर दल www.aryaveerdal.org, आर्य केन्द्रीय सभा, दिल्ली www.aryakendriyasabha.com, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन www.aryamahasammelan.com पर कार्य करना आरम्भ किया तथा कुछ ही समय में इन्हें तैयार करके जन साधारण को समर्पित किया। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभा ने www.aryasamaj.tv, aryasamajworld.com, sewashramsangh.com को रजिस्टर्ड कराया गया है। कुछ समय में इन पर भी कार्य आरम्भ होगा।

वस्तुतः उदयपुर के **सत्यार्थ प्रकाश स्तम्भ** की भूमिका तथा शीघ्र ही चालू होने वाला **टीवी चैनल 'विचार'** की भूमिका शिकागो में ही बनी। आर्यजन इस बात से परिचित ही हैं कि इस विषय में कार्य जारी हैं। कहने का अर्थ यह है कि इन सम्मेलनों की उपयोगिता रही है। जब हम भारतभूमि से हटकर उन प्रदेशों में जाते हैं जहां आर्यसमाज का प्रचार व्यापक रूप से रहा तथा आज वह एक सशक्त संगठन के रूप में उन देशों में अपना एक स्थान बनाए हुए है साथ ही निरन्तर वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार में संलग्न हैं, वहां यह विचार करने में सरलता होती है कि **"कृण्वन्तो विश्वमार्यम्"** का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आर्यसमाज को अभी और कितनी मंजिलें पार करनी हैं। हमें विश्व में हो रहे निरन्तर परिवर्तनों को ध्यान में रखना है। उनके अनुसार आगामी दीर्घकालीन योजनाओं का निर्माण करना है। अब आगामी सम्मेलन सूरीनाम में होगा, जोकि दक्षिण अमेरिकी देश है। पहले एशिया फिर उत्तरी अमेरिका महाद्वीप, उसके पश्चात् अफ्रीका महाद्वीप और अब यह महासम्मेलन दक्षिण अमेरिका के महाद्वीप में होने जा रहा है। निश्चित रूप से आर्यसमाज ने सूरीनाम जैसे देशों में अपनी जड़ों को मजबूत किया है। न केवल मजबूत किया है अपितु वहां के राजनैतिक गलियारो में भी अपना एक स्थान सुनिश्चित किया है। यह भी सत्य है कि वहां पर प्रचार की संभावनाएं यहां बैठकर तलाशी नहीं जा सकती। आवश्यकता इस बात की भी है कि सूरीनाम की आर्यजनता भी यह महसूस करे कि वह एक वृहदतम विश्वव्यापी आर्यपरिवार का एक महत्वपूर्ण अंग है, सांस्कृतिक बदलावों का प्रभाव वहां की आर्यजनता पर न पड़ा हो, ऐसा तो नहीं कहा जा सकता। किन्तु उनके बावजूद उन्होंने अपनी जड़ें, वेद, सत्यार्थ प्रकाशन एवं महर्षि दयानन्द सरस्वती से जोड़ी हुई हैं। इसे महत्व दिया जाना चाहिए। जो सूरीनाम के वासी हॉलैण्ड में आकर बसे, उन्होंने यूरोप में आर्यसमाज के प्रचार के नए रास्ते खोले, डच भाषा में सत्यार्थ प्रकाश का अनुवाद, वैबसाइट्स, सत्यार्थ प्रकाश की नियमित लगने वाली कक्षाएं, हिन्दी की कक्षाएं, आर्यसमाज मन्दिरों में चलना, तथा इन कक्षाओं में अधिसंख्य हिन्दू परिवारों के बच्चों का भाग लेना, एक सुनहरी दृश्य ही प्रस्तुत करता है। इन सब चीजों को देखकर यह धारणा और सुनिश्चित होने लगती है कि आर्यसमाज के मूल में यदि वेद नहीं होते, तो इसका प्रचार प्रसार दुनिया के इतने दूर–दराज के क्षेत्रों में नहीं हो सकता था। और अगर हो भी जाता तो, अन्य मत–मतान्तरों की तरह उसकी आयु 50–60–70 वर्ष की ही रह जाती। हमें यह विश्वास है कि इस प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलनों का उन देशों में आयोजित होने से उनकी कार्य क्षमताओं में न केवल बढ़ोतरी होगी, बल्कि एक नए युग का आरम्भ भी होगा। सार्वदेशिक सभा के शताब्दी वर्ष होने के कारण से यह वर्ष संगठन के विषय में सोचने का भी है। अतएव वहां पर जिस प्रकार से प्रतिनिधि सभाओं का कार्य व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है, सम्भव है कि कुछ विवाद हों, किन्तु सामान्य रूप से वहां नई–नई योजनाएं बनाई भी जा रही हैं तथा उनका क्रियान्वयन भी किया जा रहा है। आओ! एक नए युग के साथ चलकर आर्यसमाज को एक अच्छी दिशा और गति प्रदान करें। इस सम्मेलन का मुख्य विषय भी रखा गया है कि –

TOWORDS A BRIGHT FUTURE : WITH RESPECT AND DIGNITY.
अर्थात् "उज्ज्वल भविष्य की ओर चलें आदरऔर प्रतिष्ठा के साथ।"

– विनय आर्य, महामन्त्री

सत्यार्थ मुक्तक

सत्यार्थ प्रकाश से

"जब स्वराज्य मन्दिर बनेगा तो उसमें बड़े–बड़े नेताओं की मूर्तियां होंगी और सबसे बड़ी मूर्ति दयानन्द की होगी।" – श्रीमती ऐनी बीसेंट

"जब किसी का प्राणन्त हो तब मृतक शरीर का नाम प्रेत है। और जब उस (मृतक) शरीर का दाह हो चुका तब उस का नाम भूत न रहें वे भूवस्य होने से उनका नाम भूत है। ऐसा ब्रह्म से लेके आज पर्यन्त के विद्वानों का सिद्धांत है। परन्तु जिसको शंका कुसंग कुसंस्कार होता है, उस को भय और शंकारूप भूत, प्रेत शाकिनी, डाकिनी, आदि अनेक भ्रमजाल दुःखदायक होते हैं।"

– (द्वितीय समुल्लास)

दिल्ली पुस्तक मेले में वैदिक साहित्य का स्टॉल

सभा ने अपने पूर्व निर्णय के अनुसार इस वर्ष जामिया मिलिया इस्लामिया में आयोजित पुस्तक मेले में स्टॉल लगाया। लगभग 100 स्टॉलों में 25 में उर्दू साहित्य विशेष कर कुरान से सम्बन्धित साहित्य बिक्री हो रहा है। लेकिन प्रसन्नता विषय यह है कि मेले में जितने भी लोग आ रहे हैं उसमें 90 प्रतिशत नौजवान हैं, लगभग 50 प्रतिशत मुस्लिम समुदाय से हैं और अधिसंख्यक दर्शक इस स्टॉल पर पधार रहे हैं तथा वेद, सत्यार्थ प्रकाश, महर्षि दयानन्द के चिन्तन से सम्बन्धी साहित्य विशेषकर अंग्रेजी साहित्य बहुत ज्यादा मांग है। हमारा प्रयास यह भी है कि जिसकी जो मांग हो उसे पूरा किया जा सके। परन्तु तमेले दर मेले हमारी यह धारणा सुनिश्ति होती जा रही है कि हमें सार्वदजिनिक प्रचार का अवसर चूकना नहीं चाहिए। इसीलिए सभा आने वाले समय में भारत में आयोजित होने वाले प्रत्येक मेले के लिए व्यवस्थाएं बनाने की कोशिश करेगी। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्थक दिशा में है।

– विनय आर्य, महामन्त्री

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के वेद प्रचार विभाग के तत्त्वावधान में

पुरोहितों एवं आचार्यों की अत्यावश्यक बैठक

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के वेद प्रचार विभाग के तत्त्वावधान में दिल्ली समस्त आर्यसमाजों के पुरोहितों/धर्माचार्यों की एक अत्यावश्यक **बैठक आर्यसमाज हनुमान रोड, नई दिल्ली–1 में रविवार दिनांक 16 अगस्त, 2009 को सायं 4.00 बजे** पुरोहितों के आपसी परिचय एवं उनके बीच तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

अतः दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों में सेवाएं दे रहे पुरोहितों/धमाचार्यों से निवेदन है कि अपने कीमती समय में से कुछ समय अवश्य ही निकालकर इस बैठक में पधारें तथा अपने अमूल्य सुझावों से अवगत कराएं, ताकि भावी दिशा–निर्देश बनाते समय इन पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा सके। इसके साथ ही आपसे अन्य निवेदन यह है कि आप अपना सम्पूर्ण विवरण (नाम, योग्यता, मोबाइल, कार्यानुभव, आपके द्वारा सम्पन्न विशिष्ट कार्य, आपकी विशेष योग्यता...., आदि) सभा कार्यालय में भेजने का कष्ट करें।

–: निवेदक :–

ब. राजसिंह आर्य	**विनय आर्य**	**आचार्य खुशीराम**
सभा प्रधान	महामन्त्री	अधिष्ठाता, वेद प्रचार विभाग

❖ साप्ताहिक आर्य सन्देश ❖

३ अगस्त, २००९ से ९ अगस्त, २००९

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, १५-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-११०००१

दिल्ली पोस्टल रजि.नं० डी.एल.(एन.डी.)-११/६०७१/२००९-२०११

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने की दिनांक ०६/०७-०८-२००९

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं० यू०(सी०) १३९/२००९-११

आर. एन. नं. ३२३८७/७७

प्रतिष्ठा में,

विद्यार्थियों के लिए विशेष योजना

विद्यालयों के बच्चों को पढ़ाइए महर्षि दयानन्द सरस्वती का जीवन चरित्र

आपके बच्चों को मिल सकते हैं

5,00,000 रु० से अधिक के इनाम

भारत में कहीं भी 500 से अधिक प्रतियां मंगाने पर कोई डाक व्यय नहीं

योजना केवल 31 अगस्त, 09 तक मान्य

दिल्ली सभा कार्यालय – 15, हनुमान रोड नई दिल्ली : मूल्य मात्र 12/–

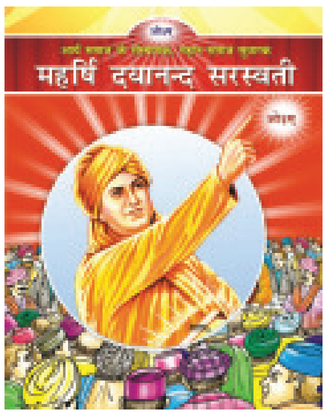

विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को महर्षि दयानन्द जी के बारे में जानकारी देने तथा उन्हें आर्यसमाज की ओर आकर्षित करने एवं परिवार के साथ जोड़ने के लिए तैयार कराई गई है कॉमिक्स। ये कॉमिक्स हिन्दी में तैयार कराई गई हैं।

महर्षि दयानन्द के जीवन चरित्र को बच्चों तक पहुंचाने के लिए यह एक सुविचारित योजना है। इनको बच्चों तक पहुंचाने के लिए कुछ सुझाव निम्न हैं :–

1. आर्यसमाज के आयोजनों पर बच्चों को निःशुल्क वितरण करें। 2. निकटवर्ती विद्यालयों में जाकर इस योजना के बारे मे बताएं तथा उन्हें खरीदने के लिए प्रेरित करें। 3. अपने पारिवारिक उत्सवों के अवसर पर जैसे – बच्चों का जन्मदिन, विवाह, वर्षगांठ के अवसर पर आने वाले बच्चों को भेंट करें। 4. बच्चों की प्रतियोगिताएं आयोजित करवाकर पुरस्कार के रूप में इनका वितरण करें। 5. जो आर्यसमाज के विद्यालय संचालित कर रहे हैं, वे प्रत्येक बच्चे तक इस कॉमिक्स को अवश्य ही पहुंचाएं। 6. सैम्पल मंगाने के लिए आज ही लिखें। सैम्पल वीपीपी द्वारा भेजे जाएंगे। मूल्य : 12 रुपये मात्र

विशेष नोट :

आवश्यक नहीं कि इनामों के लिए प्रविष्टियां अलग–अलग भेजी जाएं। आप चाहें तो कई प्रविष्टियां एक साथ भेज सकते हैं।

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक ब्र० राजसिंह आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए सार्वदेशिक प्रेस, 1488 पटौदी हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली-2 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, १५-हनुमान रोड नई दिल्ली-१; दूरभाष : २३३६०१५०; टैलीफैक्स २३३६५९५९; E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : ब्र० राजसिंह आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : सुशील महाजन सह व्यवस्थापक : डॉ० ओमप्रकाश भटनागर